बाप की मत से आस्तिक बनना
आस्तिक बनो तो मिले फिर वर्सा
राजायी पानी तो पढ़ाई और करो सर्विस
यह पढ़ाई ही बनाती प्रिंस और प्रिंसेस
जास्ती सर्विस करने वालो के लक्षण अच्छे
उनको फिर सब रिगार्ड भी रखते
दिल साफ़ रखनी
सर्विस में अवस्था देहि -अभिमानी रखनी
बाप को जो सदा साथी बनाते
साक्षी और सफलतामूर्त स्वतः हो जाते
भक्ति में भक्त झलक मात्र को तरसते
यहाँ बाप सर्व सम्बन्ध से साथी हो गये
पाना था जो पा लिया
इस नशे और ख़ुशी में रहना
मन उदास और ख़ुशी गायब होना
माना व्यर्थ संकल्प करना

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!